(ग) मुख्य दावा अधिकारी ने उक्त ज्ञापनों के उत्तर कब-कब प्रेषित किये हैं और दावों के निराकरण के संबंध में दिये गये आश्वासनों का ब्यौरा क्या है ; और

(घ) उक्त व्यापारियों को होने वाली हानि की भरपाई कब तक कर दी जायेगी?

रेल मंत्री (श्री सी०के०जाफर शरीफ): (क) कुछ नहीं।

(ख) जी, हां।

(ग) पान व्यापारियों के लंबित अभ्यावेदनों के संबंध में उनको 26-4-93, 5-7-93 तथा 25-1-95 को उत्तर भेज दिये गये हैं। इसके अलावा, मुख्य दावा अधिकारी मध्य रेलवे, बम्बई वी. टी. के कार्यालय में इन व्यापरियों के साथ 7 अक्तूबर, 1993 को एक बैठक भी हुई थी, समय-समय पर उन्हें अवगत कराया जाता है कि उनके लंबित मामलों को, यदि कोई हों, अलग-अलग मामले के गुणदोष के आधार पर निपटाया जायेगा।

(घ) प्रश्न नहीं उठता।

पश्चिम बंगाल में रेल परियोजनायें

3737. **श्रीमती सरला महेश्वरी**: क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या गत वर्ष के जुलाई महीने में पश्चिमी बंगाल विधान सभा के एक सर्वदलीय शिष्ट मंडल ने पश्चिमी बंगाल में रेल परियोजनाओं के बारे में वार्ता करने हेतु उनसे मुलाकात की थी;

(ख) यदि हां, तो उस वार्ता के बाद पश्चिमी बंगाल की रेल परियोजनाओं पर उन्होंने क्या विशिष्ट कार्यवाही की है ;

(ग) क्या वह इस बात से अवगत है कि पश्चिम बंगाल विधान सभा ने इस वर्ष के अपने बजट अधिवेशन में केन्द्रीय सरकार के 1995 के रेल बजट में पश्चिमी बंगाल को वंचित किये जाने के विरोध में एक सर्वसम्मत प्रस्ताव पारित किया है ; और

(घ) पश्चिमी बंगाल विधान सभा के इस सर्वसम्मत के संदर्भ में पश्चिमी बंगाल की जनता के रोष को दूर करने के लिये वह क्या कदम उठाने जा रहे हैं ?

रेल मंत्री (श्री सी०के० जाफर शरीफ): (क) जी, हां।

(ख) एकलाखी–बालूरघाट नई लाइन का कार्य, जिसे संसाधनों की तंगी के कारण रोक दिया गया था पुनः शुरू कर दिया गया है और अब उसका कार्य प्रगतिपर है।

पश्चिम बंगाल में दोहरीकरण परियोजनाओं के कार्य में तेजी लाने हेतु इसके परिव्यय में भी पर्याप्त वृद्धि की गई है।

तामलुक–दीघा लाइन के लिये पिछले वर्ष के 2 करोड़ रुपये के आबंटन में वृद्धि करके 1995–96 के लिये 3.43 करोड़ रु० कर दिया गया है।

(ग) और (घ) रेल मंत्रालय में अब तक ऐसा कोई संकल्प प्राप्त नहीं हुआ है और जैसे ही यह प्राप्त होगा, इस पर विचार किया जायेगा।

Shift of performance from rail to road transport

3738. DR. SHRIKANT RAMCHANDRA JICHKAR: Will the Mi. nister of RAILWAYS be pleased to state:

a) whether user preference is shifting in favour of transportation by road, instead of the Railways; if so, the reasons therefor;

(b) whether the actual trends of modal shares by rail, and road have moved in opposite directions;

(c) whether it is a fact that the Railways themselves are responsible for shortage of capacities on the Railways and very high traffic density on major routes; and

(d) what is being done to improve the situation?

THE MINISTER OF RAILWAYS (SHRI C. K. JAFFER SHARIEF):

(a) Railways are best suited for long distance travel and also bulk movement Over the year Railways have been able to achieve sustained growth, as is evident from following figures:

Year	Revenue Earning Freight Traffic (Million Tonnes)	Originating Passenger Traffic (Million Pass.)
1970-71	167.9	2431
1980-81	195.9	3613
1990-91	318.4	3858
1994-95	373 (Target)	3978 (Target)

(b) There has been no change in modal shares over the last two years, as per the Economic Survey,

(c) and (d) No, Sir. Railways have been, augmenting the line capacities of major routes by making sufficient input in to meet the ever demand of traffic. Efforts are also being made to attract more traffic to Rail through suitable maketing efforts Railways have inducted AC-3 tier coaches, high speed coaches and locos, long welded rails in order to provide more comfortable and speedier journeys to long distance passengers and MEMUs, DMU push pull train and rail buses for short distance passengers.

For attracting more freight traffic, close coordination with user departments and major industries is being maintained. In addition, steps like quoting station to station rates, revitalising Freight Forwarder scheme, introduction of Speed Link Express services on additional routes, movement of containerised cargo for both domestic and international market and special efforts to attract more parcel: traffic' have also been taken. These steps have helped in maintaining the questioned growth.

Internal resource generation in the Railways

3739. SHRIMATI BASANTI SARMA.-

DR. SHRIKANT RAMCHANDRA JICHKAR:

Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state

(a) whether dependence of Railways on the budgetary support has declined over the last few years;

(b) if so, what is the trend;

(c) what are the major sources of fund ing;

(d) how is the Railways' interna) resource generation; and

(e) what is being done to improve in ternal resource generation?